जल विद्युत परियोजनाओं के लाभ

205. **श्री अनन्त राम जायसवाल:** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि प्रति किलोवाट उत्पादन लागत, कारखाने की आयु और पर्यावरण की दृष्टि से, ताप विद्युत केन्द्रों के मुकाबले पन बिजली केन्द्र बेहतर, अधिक विश्वसनीय तथा उपयोगी सिद्ध हुए हैं; और

(ख) यदि हां, तो ताप विद्युत परियोजनाओं के मुकाबले पन बिजली परियोजनाओं की उपेक्षा किए जाने के क्या कारण हैं?

विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय): (क) ताप विद्युत उत्पादन सहित विद्युत उत्पादन के अन्य उपलब्ध साधनों में से जल-विद्युत परियोजनाएं, व्यस्ततमकालीन भार मांग को पूरा करने के लिए सर्वोत्तम साधन हैं। जल विद्युत परियोजनाएं ऊर्जा का अपेक्षाकृत सस्ता स्रोत हैं, इसकी कार्यावधि अधिक है, इनमें ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोत का समुपयोजन किया जाता है और उनका प्रचालन प्रदेषण रहित है।

(ख) देश में जल-विद्युत शक्यता के धीमी गति से विकास के मुख्य कारण जिनके कारण विद्युत प्रणाली में जल-विद्युत का अनुपात कम रहा है, निम्नानुसार है:-

1. अविकसित जल विद्युत संसाधनों का अधिकांश भाग ऐसे राज्यों में है जिनके पास उन्हें विकसित करने हेतु पर्याप्त संसाधन नहीं है।

2. वित्तीय कठिनाईयां

3. भूमि के अधिग्रहण, वनरोपण एवं विस्थापितों के पुनर्वास तथा भू-वैज्ञानिक समस्याएं होना।

जल-विद्युत के अनुपात में सुधार करने के उद्देश्य से ऐसी नई जल विद्युत परियोजनाओं जिनके संबंध में 8वीं योजना के दौरान अग्रिम कार्यवाही की जा सकती है, का पता लगाने के लिए भारत सरकार द्वारा हाल ही में एक ग्रुप का गठन किया गया है ताकि 9वीं योजना के अन्त तक 40:60 के अनुपात में जल विद्युत-ताप विद्युत मिश्रण प्राप्त किया जा सके।

Loss incurred by DESU due to low Tariffs Rates

206. CHOWDHARY HARI SINGH:
SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:

Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that as reported in the Hindustan Times of September, 11, 1992, the annual loss of around Rs. 344 crores suffered by Delhi Electric Supply Undertaking was mainly attributable to low tariff rates;

(b) if so, the details about power generated, power supplied to consumers, total cost of production and per unit cost and the average per unit tariff; and

(c) what is the extent of transmission loss and power theft involved?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER (SHRI KALP NATH RAI): (a) to (c) DESU is facing revenue deficit mainly due to uneconomical tariff. As per the budget estimates of 1992-93, generation of power by DESU is estimated at 2155 million units, besides purchase of power from Badarpur Thermal Power Station and Northern Grid. Sale of energy is likely to be 7414 million units. Expenditure on generation, purchase and distribution is estimated at Rs. 1158 crores. Present average cost of supply works out to Rs. 1.56 per unit against average realisation of Rs. 1.16 per unit from consumers. As per the Budget Estimates for 1992-93 the transmission and distribution losses, including losses on account of power theft, during 1992-93 are estimated to be 19.5%

Proposals for setting up of power Plants in Haryana

207. SHRI S.S. SURJEWALA: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is an acute shortage of energy in the North